



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 3 मई, 1997/13 बैशाख, 1919

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय भूव्यवस्था अधिकारी, शिमला मण्डल, शिमला

विज्ञापन

शिमला-6, 20 मार्च, 1997

नं० रैव० एस० टी० एस० एम० एल०/आर० जे० एच०-2/97-170.—सर्व साधारण को इस विज्ञापन द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत राजगढ़, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर में हाल में हो रहे बन्दोबस्त में मुताबिक मौजा भू-राजस्व अभिलेख में निम्नलिखित अक्साम अराजी दर्ज करने की तजवीज है :—

“कृष्ट”

सिंचित भूमि:

1. कुलाहू अन्वल:—ऐसी काश्त भूमि जिसकी कुहलों द्वारा सिंचाई की जाती हो तथा जिसमें वर्ष में दो फसलें पैदा होती हैं।
2. बगीचा कुलाहू फलदार:—ऐसी काश्त भूमि जिसमें फलदार पौधे जैसे सेब, आड़ू, अमरूद, पलम, बादाम, खूमानी आदि लगाए गये हों तथा फल दे रहे हों व ऐसी भूमि की सिंचाई कुहलों द्वारा की जाती हो।

3. बागीचा कुलाह बिला फलदार:—ऐसी काश्त भूमि जिसमें फलदार पौधे जैसे सेब, आड़ू, अमरुद, पलम, बादाम, खूमानी, आदि लगाए गये हों और वे अभी फल नहीं दे रहे हों तथा ऐसी भूमि की सिंचाई कुहलों द्वारा की जाती हो।

असिंचित भूमि :

1. बारानी अबल:—वर्षा पर निर्भर वह काश्त भूमि जिसमें साल में दो या दो से अधिक फसलें काश्त की जाती हों तथा उस भूमि में झाड़ू पदावार अच्छी होती हो।
2. बारानी दोयम:—वर्षा पर निर्भर वह भूमि जिसमें साल में एक या दो साल में तीन फसलें काश्त की जाती हों और झाड़ू पदावार बारानी अबल की तुलना में कम होती हो।
3. बागीचा बारानी फलदार:—वह भूमि जिसमें फलदार पौधे सेब, आड़ू, अमरुद, पलम, बादाम, नींबू आदि लगाए गए हों और वे फल दे रहे हों तथा ऐसी भूमि आबपाशी के लिए वर्षा पर निर्भर हो।
4. बागीचा बारानी बिला फलदार:—वह भूमि जिसमें फलदार पौधे सेब, आड़ू, अमरुद, पलम, बादाम, नींबू, खूमानी आदि लगाए गये हों और वे अभी फल नहीं दे रहे हों।
5. आबी:—ऐसी काश्त भूमि जिसकी आबपाशी के लिए पानी टैंकों में इकट्ठा करके प्रयोग किया जाता हो।

“अकृष्ट भूमि”

1. बंजर जदीद:—ऐसी भूमि जो काश्त करने के बाद उसी साल में पुनः काश्त न की गई हो।
2. बंजर कदीम:—ऐसी भूमि जो पहले काश्त की परन्तु निरन्तर पिछले पांच सालों से काश्त नहीं की जा रही हो।
3. घासनी:—मालकानों को वह निज मलकीयती भूमि जो घास कटाई के लिए सुरक्षित रखी गई हो।
4. नाकाबल झाड़ी:—ऐसी भूमि जो मालकान की निज मलकियत हो और उसमें पशु चारा आदि के लिए पत्तीदार झाड़ियां आदि पाई जाती हों।
5. चरान्द:—सरकारी मलकियत की ऐसी भूमि जो आम चरान्द के प्रयोग में लाई जाती हो।
6. जाये सफेद:—मकानों के साथ ऐसी खाली पड़ी भूमि जिसका प्रयोग बतौर आंगण (सैहन) न किया जाता हो, तथा ऐसी भूमि प्लाट जो मकान आदि बनाने के लिए सम्भावित हो।
7. जाय सरकार:—उपरोक्त परिभाषित ऐसी भूमि जो सरकार/सरकारी विभागों के कब्जा मलकीयत की हों।
8. गैर मुमकिन सैहन:—मकानों व दुकानों आदि के साथ ऐसी भूमि जो बतौर आंगण (सैहन) प्रयुक्त की जाती हो।

नोट :—सरकार/सरकारी विभागों के भवनों के साथ आंगन थोड़ा बहुत हो उसे भवन में ही पैमूद किया जाएगा ।

9. गैर मुमकिन अडाता:—सरकार/सरकारी विभागों के कब्जा/मलकीयत में ऐसी भूमि जो बतौर मैदान, कम्प्लेक्स आदि प्रयुक्त होती हो ।
10. गैर मुमकिन मकान :—ऐसी भूमि जिसमें कच्चा/पक्का, एक मंजिला/बहु मंजिला भवन तामीर किया हो और उसे बतौर मकान रिहायशी या किराया प्रयुक्त किया जाता हो ।
11. गैर मुमकिन रसोईघर:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन का प्रयोग बतौर रसोईघर किया जाता हो ।
12. गैर मुमकिन स्नान गृह:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के, एक मंजिला/बहुमंजिला भवन का प्रयोग स्नान आदि करने के लिए किया जाता हो ।
13. गैर मुमकिन सीढ़ियां:—ऐसी भूमि जिस पर कच्ची/पक्की सीढ़ियां/पौड़िया बना रखी हों ।
14. गैर मुमकिन शौचालय:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन को शौच आदि के लिए प्रयुक्त किया जाता हो ।
15. गैर मुमकिन सैप्टिक टैंक:—ऐसी भूमि जहां पर शौच आदि को इकट्ठा रखने के लिए कच्चा/पक्का टैंक बनाया हो ।
16. गैर मुमकिन मुर्गी खाना:—ऐसी भूमि जहां कच्चा/पक्का, एक मंजिला/बहुमंजिला बने भवन का प्रयोग मुर्गी पालन के लिए किया जाता हो ।
17. गैर मुमकिन वाटर टैंक:—ऐसी जगह जहां पानी को स्टोक रखने के लिए कच्चा/पक्का टैंक बना हो ।
18. गैर मुमकिन नल :—ऐसी भूमि जहां पानी का नल लगा हो ।
19. गैर मुमकिन गोदाम:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के, एक मंजिला/बहु मंजिला भवन में अनाज या अन्य वस्तुएं भण्डारण की जाती हों ।

नोट :—यदि किसी भवन में दुकान आदि के साथ ही गोदाम हो उस सूरत में गोदाम का नम्बर खसरा अलग पैमूद करने की आवश्यकता नहीं आनेवाला उसे दुकान आदि में ही पैमूद करके किस्म गैर मुमकिन दुकान लिखा जाएगा ।

नोट :—अकसाम भराजी किस्म नम्बर 10 ता 19 यदि मौका पर एक ही मलकीयत व कब्जा की पाई जाए तो एक ही नम्बर खसरा में पैमूद करके किस्म गैर मुमकिन मकान रिहायशी/किराया दर्ज किया जाएगा ।

20. गैर मुमकिन दुकान:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के, एक मंजिला/बहुमंजिला भवन का प्रयोग अनाज नरस, हौजरी आदि वस्तुओं के क्रय-विक्रय के लिए होता हो ।

21. गैर मुमकिन खोखा :—ऐसी भूमि जहां लकड़ी या टीन की आरजी तौर पर दुकान बना रखी हो, बशर्ते कि ऐसी आरजी दुकान चलती फिरती न हो ।
22. गैर मुमकिन मकान व दुकान :—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन का कुछ भाग बतौर रिहायश और कुछ भाग बतौर दुकान प्रयुक्त होता हो ।
23. गैर मुमकिन टी-स्टाल :—ऐसी भूमि जहां बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहु मंजिला भवन में चाय, दूध और मिठाई आदि का क्रय-विक्रय होता हो ।
24. गैर मुमकिन होटल :—ऐसी भूमि जहां बने कच्चे/पक्के, एक मंजिला/बहु मंजिला भवन में यात्रियों आदि के खाना आदि को खाने-खिलाने की सुविधा हो ।
25. गैर मुमकिन रैस्टोरैन्ट :—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के, एक मंजिला/बहुमंजिला भवन में यात्रियों आदि के ठहरने आदि की व्यवस्था हो ।
26. गैर मुमकिन होटल व रैस्टोरैन्ट :—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के, एक मंजिला/बहुमंजिला भवन में यात्रियों आदि को खाना आदि खाने खिलाने तथा ठहरने आदि की व्यवस्था हो ।
27. गैर मुमकिन ढारा :—ऐसी भूमि जिसमें लकड़ी, टीन आदि से निर्मित आरजी ढारा रिहायश के लिए बना हो बशर्ते है कि ऐसा ढारा चलता-फिरता न हो ।
28. गैर मुमकिन ओबरा :—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के, एक मंजिला/बहुमंजिला भवन का प्रयोग अवेशियों को रखने तथा घास-भूस रखने के लिये किया जाता हो ।
29. गैर मुमकिन लघु उद्योग :—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के, एक मंजिला/बहु मंजिला भवन में किसी भी प्रकार की फेक्ट्री, खड्डो, साबुन, डबल रोटी आदि लगाई गई हो, तथा बिजली से चलने वाली आरा मशीन, आटा पीसाई, रूई पिजाई, धान कुट्टी व कोहलू भी इसी क्रिसम में शामिल होंगे ।
30. गैर मुमकिन पेट्रोलपम्प :—ऐसी भूमि जहां डिजल पेट्रोल आदि क्रय-विक्रय होता हो ।
31. गैर मुमकिन पाठशाला :—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन का प्रयोग विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई आदि के लिए होता हो ।
32. गैर मुमकिन मैदान :—पाठशाला के साथ या दूर ऐसी खाली पड़ी भूमि जो खेल-कूद आदि के लिए प्रयुक्त की जाती हो ।
33. गैर मुमकिन चबूतरा :—ऐसी भूमि जिसमें द्रुत आदि के चारों ओर आराम आदि करने के लिए कच्चा/पक्का, अटियाला बनाया हो ।
34. गैर मुमकिन धर्मशाला :—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन का प्रयोग यात्रियों आदि के ठहराव आदि के लिए किया जाता हो ।
35. गैर मुमकिन किसान भवन :—ऐसी जगह जहां कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन का प्रयोग बतौर विश्राम गृह किया जाता हो तथा ये भवन कृषि विभाग ने तामीर किया हो ।

36. गैर मुमकिन पंचायत घर:—ऐसी जगह जहां ग्राम पंचायत का कार्यालय हो ।
37. गैर मुमकिन वीडियो हाल:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन में चलचित्र आदि दिखाया जाता हो ।
38. गैर मुमकिन चिकित्सालय:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन में रोगियों आदि की चिकित्सा का प्रबन्ध हो ।
39. गैर मुमकिन पार्क:—ऐसी भूमि जिसमें पर्यटन व आराम आदि के लिए पार्क बना हो ।
40. गैर मुमकिन सब-स्टेशन:—ऐसी भूमि जहां हि0 प्र0 राज्य बिजली बोर्ड द्वारा बिजली का स्टेशन हो जहां पर बाड़ बन्दी आदि की हो ।
41. गैर मुमकिन टावर:—ऐसी भूमि जहां बिजली या दूर-संचार विभाग ने टावर लगाया हो ।
42. गैर मुमकिन टप्परी:—ऐसी भूमि जिसमें मकाननुमा ढांचा जैसा बनाया हो बशर्ते कि ऐसा ढांचा जमीन व इस्तादा हो और स्थाई हो ।
43. गैर मुमकिन दुग्ध अभिशीतल केन्द्र:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन में दुग्ध अभिशीतल होता हो ।
44. गैर मुमकिन मौसम सूचना केन्द्र:—ऐसी भूमि जहां मौसम विभाग ने मौसम की सूचना प्राप्त करने हेतु संचालन लगा रखे हों ।
45. गैर मुमकिन हैण्ड पम्प:—ऐसी भूमि जहां हैण्ड पम्प लगे हों ।
46. गैर मुमकिन मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारा:—ऐसी भूमि जिसमें पूजा अर्चना आदि के लिए भिन्न-भिन्न समुदाय ने भवन इत्यादि बना रखे हों ।
47. गैर मुमकिन वर्कशॉप:—ऐसी भूमि जहां वाहनों आदि की तैयारी व मरम्मत की जाती हो ।
48. गैर मुमकिन क्वार्टर:—ऐसी भूमि जहां कर्मचारी/अधिकारीगण को आवासीय सुविधा के लिए क्वार्टर बना रखे हों ।
49. गैर मुमकिन कार्यालय:—ऐसी भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला/बहुमंजिला भवन/भवनों में कार्यालय हों जैसे कार्यालय तहसील, उप-मण्डल अधिकारी ना0 कार्यालय बन, वन विभाग कार्यालय, लोक निर्माण विभाग कार्यालय इत्यादि-इत्यादि ।
50. गैर मुमकिन वर्षा मापी यन्त्र:—ऐसी भूमि जहां वर्षा एवं बर्फ मापने का यन्त्र लगा हो ।
51. गैर मुमकिन गड्ढा:—ऐसी जगह जहां गोबर आदि रखने के लिए गड्ढा बना दिया हो ।
52. गैर मुमकिन विश्रामगृह:—ऐसी भूमि जिसमें लोक निर्माण विभाग ने विश्राम गृह बना रखा हो ।
53. गैर मुमकिन वर्षा शालिका:—ऐसी भूमि जहां यात्रियों को बस प्रतीक्षा आदि के लिए बैठने के लिए शालिका बना रखी हो ।

54. गैर मुमकिन नाला/नाली/खड्डः—ऐसी भूमि जो पानी की निकासी हेतु आरक्षित हो।
55. गैर मुमकिन गलीः—ऐसी भूमि जो भवनों के बीच या भवनों के बतौर छोटा रास्ता प्रयुक्त होती हो।
56. गैर मुमकिन बस अड्डाः—ऐसी भूमि जिस में वाहनों आदि के लिए खड़ा करने आदि की व्यवस्था हो।
57. गैर मुमकिन रास्ताः—सरकारी/गैर सरकारी ऐसी भूमि जिस में ग्राम जनता के चलने-फिरने की व्यवस्था हो।
58. गैर मुमकिन सड़कः—ऐसी भूमि जिसमें मोटर गाड़ीयां आदि चलती हों।
59. गैर मुमकिन बावड़ी/कुआंः—ऐसी भूमि जहां पानी पीने आदि के लिए कुदरती तौर पर उपलब्ध हों और उस पानी को एकत्र करने के लिए कुआं या बावड़ी बनाई गई हो।
60. गैर मुमकिन कुहलः—ऐसी भूमि जिसमें खड्ड या नाला से आबपाशी के लिए पानी ले जाने के लिए कच्ची/पक्की कुहल बना रखी हो।

2. अतः हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व (साधारण) निर्धारण विनियम, 1984 के नियम 14 के अर्थानुसार यह विज्ञापन जारी करके जनसाधारण नगर पंचायत राजगढ़, जिला सिरमौर को सूचित किया जाता है कि यदि किसी महानुभाव को उक्त तजवीज बारे किसी प्रकार का उजर/एतराज हो तो ऐसा उजर/एतराज या सुझाव इस विज्ञापन की प्राप्ति के तीस दिन के अन्दर-अन्दर कार्यालय को लिखित रूप में भेजने की व्यवस्था करे। विहित अवधि व्यतीत पश्चात् कोई भी उजर/एतराज या सुझाव काबिले समायत नहीं होगा।

आई० एस० चन्देल,
भू-व्यवस्था अधिकारी,
शिमला मण्डल, शिमला।